

अंतर्जातीय वि. (तत्.) 1. किसी जाति के भीतर ही स्थित या प्रचलित 2. अंतरजातीय दो भिन्न जातियों के बीच या उनसे संबंधित जैसे अंतरजातीय विवाह।

अंतर्जानु वि. (तत्.) हाथों को घुटनों के बीच छिपाए हुए।

अंतर्ज्ञान पुं. (तत्.) स्वयं स्फुरित ज्ञान टि. प्रायः ऋषि-मुनि, चिंतक वर्ग को यह अनुभूति होती रही है, ऐसी मान्यता है।

अंतर्ज्ञानवाद पुं. (तत्.) एक दार्शनिक मत जिसके अनुसार-परम सत्य, ईश्वरीय अंतर्ज्ञान से ही संभव है पुस्तकीय ज्ञान से नहीं।

अंतर्ज्योति स्त्री. (तत्.) आंतरिक (भीतर का) प्रकाश, आत्म प्रकाश, आध्यात्मिक आलोक।

अंतर्ज्वाला स्त्री. (तत्.) 1. आंतरिक अग्नि, भीतर की आग 2. हृदयाग्नि 3. चिंता 4. संताप।

अंतर्दन्त्य वि. (तत्.) भाषा.वि./व्याक. उपर तथा नीचे के दाँतों के बीच जीभ रखकर रगड़ खाती हुई उच्चरित ध्वनि जैसे- शुद्ध अंगरेजी उच्चारण में 'थ' की ध्वनि, जो नागरी 'ध' से भिन्न है और 'स' के निकट है।

अंतर्दशा स्त्री. (तत्.) आंतरिक स्थिति, मानसिक स्थिति, मनोवृत्ति, मूड 2. ज्यो. फलित ज्योतिष के अनुसार किसी ग्रह की महादशा काल में उसी ग्रह या अन्य ग्रहों का लघु दशाकाल।

अंतर्दशाह [अंतः+दश+अह] पुं. (तत्.) भारतीय मान्यतानुसार मृत व्यक्ति की सद्गति के निमित्त मृत्यु के उपरांत दस दिनों तक अशौच अवस्था में किए जाने वाले नैमित्तिक कर्म।

अंतर्दहन पुं. (तत्.) ईंधन का दहन इंजन के भीतर ही भीतर होना। internal combustion

अंतर्दाह पुं. (तत्.) हृदय की जलन, मानसिक कष्ट।

अंतर्दृग पुं. (तत्.) अंदर स्थित नेत्र कमल, अंतर्दृष्टि।

अंतर्दृष्टि स्त्री. (तत्.) 1. गुप्त या अदृष्ट तथ्यों, रहस्यों की जानकारी करा देनेवाली 2. भावी परिघटना को पहले से जान लेने वाली दृष्टि, भविष्य दृष्टि 3. बाह्य प्रपंच की अपेक्षा आंतरिक विषयोन्मुखता।

अंतर्देशीय वि. (तत्.) 1. एक ही देश के भीतरी हिस्सों से संबंध रखने वाला, जैसे- अंतर्देशीय पत्र inland letter 2. किसी देश के अंतर्गत स्थित या प्रचलित।

अंतर्द्वंद्व पुं. (तत्.) 1. दो या अधिक विरोधी विचारों का मन ही मन होने वाला परस्परिक संघर्ष, मानसिक तनाव, मानसिक संघर्ष, आंतरिक युद्ध।

अंतर्द्वार पुं. (तत्.) 1. घर के अंदर स्थित गुप्त द्वार, चोर दरवाजा 2. हृदय का द्वार।

अंतर्धान वि. (तत्.) जो आँखों से ओझल हो जाए, अदृश्य, गायब, दृश्य वस्तु की ऐसी जगह या स्थिति जहाँ वह दिखाई न दे।

अंतर्धारा स्त्री. (तत्.) 1. ऐसी जल धारा जो भूमि के नीचे बहती हो 2. किसी जाति या समाज में अंदर ही अंदर पनप रही विचारधारा।

अंतर्ध्यान पुं. (तत्.) अंतर्धान शब्द के लिए भूलवश प्रयुक्त शब्द।

अंतर्ध्वंस पुं. (तत्.) 1. आंतरिक क्षति, मानसिक संघर्ष (तनाव) के परिणाम-स्वरूप होने वाली क्षति 2. जानबूझकर या की जाने वाली क्षति।

अंतर्नभ पुं. (तत्.) आंतरिक आकाश, हृदयाकाश, हृदय।

अंतर्नयन पुं. (तत्.) 1. आंतरिक, अंदर की आँखें, मन की आँखें, ज्ञान-चक्षु, दिव्यचक्षु 2. अंतर्दृष्टि।

अंतर्नर पुं. (तत्.) मनो. 1. नारी के अचेतन मन में उपस्थित उसकी पुरुष-पक्ष की परिकल्पना 2. स्त्री के स्वप्न में प्रकट होने वाले पुरुष का प्रतीक-स्वरूप जिससे वह जाना होता है कि उसे कैसा पुरुष अभीष्ट है।

अंतर्नाद पुं. (तत्.) अंतःकरण की आवाज।